UNIVERSITY OF KOTA

KOTA

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION
AND
COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS

पाठ्यक्रम

B.A. (स्नातक)

राजस्थानी

बी.ए. सैमेस्टर प्रथम एवं द्वितीय

बी.ए. सैमेस्टर तृतीय एवं चतुर्थ

बी.ए. सैमेस्टर पंचम एवं षष्ठ

2024–25

B.A. Semester- I & II
B.A. Semester- III & IV
B.A. Semester- V & VI

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

B.A. RAJASTHANI

Semester I - VI

SEM	Code	Course Code	Papers	Lecture Per week	Total Lecture	Credit
I	DCC	RAJ-05 – 01	**आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य** (i) कथा साहित्य (ii) निबंध साहित्य एवं अन्य विधाएं **कौशल विकास** (i) अनुवाद कौशल हिन्दी से राजस्थानी, राजस्थानी से हिन्दी (ii) पत्र वाचन	06	90	06
II	DCC	RAJ-05 – 02	**आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य** (i) स्वतंत्रता पूर्व काव्य (ii) स्वातंत्र्योत्तर काव्य **कौशल विकास** (i) राजस्थानी– अलंकार परिचय (ii) शब्द–शक्ति (iii) तत्सम–तद्भव शब्द	06	90	06
III	DCC	RAJ-06 – 01	**म्ध्यकालीन राजस्थानी गद्य**	06	90	06
IV	DCC	RAJ-06 – 02	**मध्यकालीन राजस्थानी काव्य**	06	90	06
V	DEC	RAJ-07 – 01 A	**राजस्थानी भाषा एवं साहित्य**	06	90	06
	DEC	RAJ-07 – 01 B	**राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति**			
VI	DEC	RAJ-08 – 01 A	**लोक एवं ऐतिहासिक राजस्थानी काव्य**	06	90	06
	DEC	RAJ-08 – 01 B	**राजस्थानी रासो काव्य**			

Examination Scheme

Each paper contains 150 marks. For regular and non collegiates theory paper will be of 100 marks. For regular students internal evaluation of marks 50 are divided into 20 marks for assignment, 20 marks for written test and 10 marks for viva/presentation.

For non collegiate students internal evaluation marks 50 are divided into 40 marks for assignment and 10 marks for viva/presentation.

Duration : 3 hours Question Paper Max. Marks – 100

Note : The question paper will contain two sections as under –

The question paper consists of section A and section B. Section A for 20 marks and section B for 80 Marks.

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 30 words for each part. Total marks : 10x2=20

Section-B : Contents 10 questions, 2 questions from each unit, attempted 5 questions, by taking one from each unit, answer approximately in 500 words. 16x5=80

DCC - COURSE CODE RAJ- 05-01

बी.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – प्रथम (Semester - I Rajasthani)

आधुनिक राजस्थानी गद्य

Credit : 06

पाठ्यपुस्तकें एवं विशिष्ट अध्ययन

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा
2. आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाएं : संक्षिप्त परिचय – कहानी, उपन्यास, निबंध एवं अन्य विधाएं
3. भाषा–बोध एवं अनुवाद : राजस्थानी से हिन्दी और हिन्दी से राजस्थानी
4. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्यकारों के व्यक्तित्व–कृतित्व संबंधित अध्ययन

पाठ्यपुस्तकें

1. **'उकरास' (राजस्थानी कहानी संग्रह) : (सं.) सांवर दइया**
   (निर्धारित कहानीकार : **अन्नाराम सुदामा :** सूरज री मौत, **करणीदान बारहठ :** थै बारै जावो,
   चेतन स्वामी : पुण्याई**, बैजनाथ पंवार :** हिरणी, **मनोहरसिंह राठौड़ :** सांढ, **माधव नागदा :** नीलकंठी,
   यादवेंद्र शर्मा 'चंद्र' : काच रो चिलको, **रामकुमार ओझा 'बुद्धिजीवी' :** भारमली भाजी कोनी,
   रामेश्वरदयाल श्रीमाळी : कांचळी**, विजयदान देथा :** राजीनांवो)
2. **राजस्थानी गद्य संकलन : (सं.) डॉ. कल्याण सिंह शेखावत**

   (निर्धारित पाठ – अणोर् अणीयान महतो महीयान : नरोत्तमदास स्वामी, **रामजी भला दिन देवै** : डॉ. मनोहर शर्मा, **कलाकार बंधुवां सूं** : साने गुरूजी, **राखी रो त्यूंहार** : सौभाग्यसिंह शेखावत, **पूरण पुरुष कृष्ण** : सत्यप्रकाश जोशी, **गोगाजी रा घोड़ा** : डॉ. नेमनारायण जोशी, **म्हारी जापान यात्रा** : लक्ष्मीकुमारी चूंडावत, **सह–अस्तितव** : अन्नाराम सुदामा**)**

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं कुल 10 प्रश्न : शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग–'ब' में 10 प्रश्न दिये जाएंगे जिनमें से कोई पांच प्रश्न हल करने होंगे। इन प्रश्नों में आन्तरित विकल्प नहीं होगा। शब्द–सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। प्रश्नों हेतु कुल 80 अंक निर्धारित हैं। निर्धारित पांचों इकाइयों में से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 'उकरास' कहानी संग्रह (निर्धारित कहानियों के आधार पर सप्रसंग व्याख्या)

प्रश्न सं.–3 'उकरास' कहानी संग्रह (निर्धारित कहानियों के आधार पर सप्रसंग व्याख्या)

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 राजस्थानी गद्य संकलन (निर्धारित पाठों के आधार पर सप्रसंग व्याख्या)

प्रश्न सं.–5 राजस्थानी गद्य संकलन (निर्धारित पाठों के आधार पर सप्रसंग व्याख्या)

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 'उकरास' आलोचनात्मक प्रश्न (केवल निर्धारित कहानियों के आधार पर)

प्रश्न सं.–7 'उकरास' आलोचनात्मक प्रश्न (केवल निर्धारित कहानियों के आधार पर)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 राजस्थानी गद्य संकलन आलोचनात्मक प्रश्न (केवल निर्धारित पाठों के आधार पर)

प्रश्न सं.–9 राजस्थानी गद्य संकलन आलोचनात्मक प्रश्न (केवल निर्धारित पाठों के आधार पर)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 राजस्थानी गद्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा – संक्षिप्त परिचय – कहानी, उपन्यास एवं निबंध

प्रश्न सं.–11 अनुवाद – चयनित गद्यांश – हिन्दी से राजस्थानी (एक)
राजस्थानी से हिन्दी (एक)

पाठ्य पुस्तकें :–

1. उकरास (कहानी संग्रह) : (सम्पादक) सांवर दइया
   प्रकाशक : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर
2. राजस्थानी गद्य संकलन (सं) डॉ. कल्याण सिंह शेखावत
   प्रकाशक : आनंद प्रकाशन : जोधपुर

<u>अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–</u>

1. राजस्थानी कहानी परम्परा – विकास : डॉ. अर्जुनदेव चारण, कवि प्रकाशन, बीकानेर
2. परम्परा (हेमाणी अंक) : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर

F F F F F

DCC - COURSE CODE RAJ- 05-02

बी.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – द्वितीय (Semester - II Rajasthani)

आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य Credit : 06

पाठयपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

विशिष्ट अध्ययन

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा : (i) स्वतंत्रता पूर्व (सन् 1857 से 1947 तक)
   (ii) स्वातंत्र्योत्तर (सन् 1947 से अद्यतन)
2. काव्य शास्त्र : शब्द–शक्तियां एवं अलंकार – वैण सगाई
3. शब्द बोध : तत्सम एवं तद्भव शब्द।

पाठयपुस्तकें

1. **राजस्थान के कवि (राजस्थानी) : (सं.) रावत सारस्वत**
   (कवि क्रम : **कन्हैयालाल सेठिया** – गीत (1–3), **गणेशलाल व्यास 'उस्ताद'** – दीवट, घरे आजा, मत जा साथी पंथ पुराणै, **चन्द्रसिंघ** – गीत, बसंत, लू, बादळी, **नारायणसिंघ भाटी** – विरह, पासाण सुन्दरी, मूमल, मे**घराज 'मुकुल'** – माटी मुळकी बीज पसीज्या, छिंया तावड़ो, चंवरी, **रघुराजसिंघ हाडा** – गीत–बैरण होळी आगी, गीत–फागण आयो रे, **रेवतदान चारण 'कल्पित'** – राजस्थानी, बिरखा–बीनणी, **सत्यप्रकाश जोसी** – सोवन माछळी, अैरण बूझै रै घण बीर नै, **सुमनेस जोसी** – मरण पंथ रा पंथी।)
2. **मानखो : गिरधारी सिंह पड़िहार**

प्रश्न–पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं। कुल 10 प्रश्न : शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग–'ब' में 10 प्रश्न दिये जाएंगे जिनमें कोई पांच प्रश्न हल करने होंगे। इन प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प नहीं होगा। शब्द–सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। प्रश्नों हेतु कुल 80 अंक निर्धारित हैं। निर्धारित इकाइयों में से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

16 X 5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 'राजस्थान के कवि' (निर्धारित कवियों के आधार पर सप्रसंग व्याख्या)

प्रश्न सं.–3 'राजस्थान के कवि' (निर्धारित कवियों के आधार पर सप्रसंग व्याख्या)

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 मानखो के आधार पर सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–5 मानखो के आधार पर सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 'राजस्थान के कवि' (केवल चयनित कवि) के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–7 'राजस्थान के कवि' (केवल चयनित कवि) के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 'मानखो' के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–9 'मानखो' के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 शब्द–शक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना–अलंकार, वैण सगाई – सामान्य परिचय

प्रश्न सं.–11 तद्भव शब्दों के तत्सम रूप – (10 शब्द)

पाठ्य पुस्तकें

1. राजस्थान के कवि (राजस्थानी) : (सं.) रावत सारस्वत
   प्रकाशक : राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (अकादमी), बीकानेर
2. मानखो : गिरधारी सिंह पड़िहार
   प्रकाशक : पड़िहार प्रकाशन, कोरियों का मौहल्ला, बीकानेर

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. राजस्थानी साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास : सीताराम लालस
   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृत्तियां : डॉ. किरण नाहटा
   प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
4. रामनाथ कविया : डॉ. मनोहर शर्मा
   प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
5. समकालीन राजस्थानी काव्य : संवेदना अर सिल्प : कुन्दन माली
6. बगत री बारखड़ी : डॉ. अर्जुन देव चारण,
   प्रकाशक : कवि प्रकाशन, बीकानेर

◈◈◈

DCC - COURSE CODE RAJ- 06-01

बी.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – तृतीय (Semester - III Rajasthani)

मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र Credit : 06

विशिष्ट अध्ययन

1. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास – विकास एवं परम्परा– प्रमुख साहित्यकारों का परिचय
2. मध्यकालीन गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय

पाठ्य पुस्तकें

1. राजस्थानी व़ात संग्रह : (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा
   (निर्धारित व़ात : **सातल सोम री वात, जसै सरवहीयै री वात, रेसांमियै री वात,सयणी चारणी री वात, राजा भोज–माघ पिंडत अर डोकरी री वात, सांखलै कंवरसी नै भरमल री वात, वीजड़ वीजोगण री वात, अकल री वात)**
2. चौबोली (सं.) डॉ. कन्हैयालाल सहल

प्रश्न–पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

भाग – 'अ'

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य है। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम : प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित है। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–11 'राजस्थानी वात संग्रह' में से सप्रसंग व्याख्या – (निर्धारित व़ातों के आधार पर)

प्रश्न सं.–12 'राजस्थानी वात संग्रह' में से सप्रसंग व्याख्या – (निर्धारित व़ातों के आधार पर)

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 चौबोली में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–14 चौबोली में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 'राजस्थानी वात संग्रह' पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द) (केवल चयनित व़ात)

प्रश्न सं.–16 राजस्थानी वात संग्रह' पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द) (केवल चयनित व़ात)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 चौबोली' पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–18 'चौबोली पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 मध्यकालीन गद्य साहित्य की विकास परंपरा से संबंधित प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–20 मध्यकालीन गद्य विधाओं से सम्बन्धित प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

पाठ्यपुस्तकें

1. **राजस्थानी वात संग्रह** : (सं.) डा. मनोहर शर्मा
   प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
2. चौबोली (सं.) डॉ. कन्हैयालाल सहल
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रंथ

1. राजस्थानी गद्य साहित्य : उद्‌भव और विकास : डा. शिवस्वरूप शर्मा
2. प्राचीन काव्यों की रूप परंपरा : अगरचंद नाहटा
3. राजस्थानी गद्य साहित्य – उद्‌भव एवं विकास : डॉ. शिवस्वरूप शर्मा 'अचल',
   प्रकाशक : सादूल रिसर्च इंस्टीट्यूट, बीकानेर

◈◈◈

DCC - COURSE CODE RAJ- 06-02

बी.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – चतुर्थ (Semester - IV Rajasthani)

मध्यकालीन राजस्थानी काव्य

Credit : 06

पाठय पुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

विशिष्ट अध्ययन

1. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य का इतिहास –

   काव्यगत प्रवृत्तियां– भक्ति एवं नीति परक साहित्य – प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार

2. राजस्थानी छंद परंपरा : निर्धारित प्रमुख छंद : दूहा, सोरठा, झमाल, कवित्त, झूलणा एवं डिंगल गीत परंपरा

पाठयपुस्तकें

1 **नागदमण :** सांयाजी झूला : (सं.) मूलचन्द प्राणेश

2 **राजिया रा दूहा :** किरपाराम : (सं.) नरोतमदास स्वामी

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

भाग – 'अ'

इकाई :

प्रश्न सं.–1 भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (10 प्रश्न : शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई : 1

प्रश्न सं.–11 'नागदमण' से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–12 'नागदमण' से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 'रजिया रा दूहा' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–14 'रजिया रा दूहा' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 'नागदमण' से सम्बन्धित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–16 'नागदमण' से सम्बन्धित एक आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 'राजिया रा दूहा' से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–11 'राजिया रा दूहा' से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी छंद : दूहा, सोरठा, झमाल, कवित्त, झूलणा : परिचय, विशेषताएं, उदाहरण (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी डिंगल गीत : विशेषताएं एवं परंपरा (अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)

पाठ्यपुस्तकें

1 नागदमण : सांयाजी झूला : (सम्पादक) मूलचन्द प्राणेश
प्रकाशक : भारतीय विद्या मन्दिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर

2 राजिया रा दूहा : किरपाराम : (सम्पादक) नरोत्तमदास स्वामी
प्रकाशक : सस्ता साहित्य मण्डल, बीकानेर।

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा : अगरचन्द नाहटा,
राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. परम्परा (शोध पत्रिका) : राजस्थानी मध्यकाल विशेषांक
प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर
3. रघुनाथ रूपक : (सं) महताब चंद खारेड
प्रकाशक : साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
4. राजस्थानी डिंगल गीत – नारायण सिंह भाटी, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
5. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. हीरालाल माहेश्वरी, आधुनिक पुस्तक भवन : कलकत्ता
6. राजस्थानी भाषा – साहित्य : संस्कृति : डॉ. कल्याण सिंह शेखावत, राधा पब्लिकेशन : नयी दिल्ली

◈◈◈

DEC - COURSE CODE RAJ- 07-01 A

बी.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – पंचम (Semester - V Rajasthani)

विकल्प – 'अ'

राजस्थानी भाषा एवं साहित्य

Credit : 06

विशिष्ट अध्ययन

1. राजस्थानी भाषा का उद्‌भव–विकास
2. राजस्थानी भाषा, बोलियां, क्षेत्र एवं मानक भाषा
3. राजस्थानी लिपि का विकास
4. राजस्थानी साहित्य की कालगत परम्परा – रचनाएं एवं रचनाकार (प्राचीन काल से लेकर अद्यतन)
5. भाषा कौशल विकास हेतु साहित्यिक विषय में राजस्थानी भाषा में निबंध लेखन का अभ्यास

इस सम्पूर्ण प्रश्नपत्र का सम्पूर्ण अध्ययन राजस्थानी भाषा और साहित्यिक विकास की परम्परा पर आधारित है अतः इस संदर्भ में जितने भी भाषा साहित्येतिहास से जुड़े ग्रंथ है वे इस ग्रंथ के आधार एवं अध्ययन स्त्रोत रहेंगे।

नोट :–इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निधारण नहीं किया गया है।

राजस्थानी भाषा में निबंध लेखन का अभ्यास भाषा–कौशल विकास के अन्तर्गत होगा।

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

भाग – 'अ'

इकाई :

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 5 X 16 = 80 अंक

इकाई : 1

प्रश्न सं.–11 'भाषा की विकास परम्परा के सिद्धान्त (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–12 राजस्थानी भाषा उद्‌भव, विकास एवं परम्परा (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 'राजस्थानी बोलियों का परिचय, क्षेत्र (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–14 भाषायी तत्त्वों पर राजस्थानी का मानक स्वरूप, विशेषताएं (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 'प्राचीन राजस्थानी साहित्य : परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, रचनाएं एवं रचनाकार (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–16 'मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य : परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, रचनाएं एवं रचनाकर (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 आधुनिक राजस्थान गद्य परंपरा – परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, रचनाएं एवं रचनाकर (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–18 आधुनिक राजस्थान काव्य परंपरा – परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, रचनाएं एवं रचनाकर (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी भाषा में साहित्यिक विषय से संबंधित निबंध लेखन (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी भाषा में साहित्यिक विषय से संबंधित निबंध लेखन (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थानी भाषा और साहित्य : हीरालाल माहेश्वरी
   प्रकाशक : आधुनिक पुस्तक भवन, कलकत्ता
3. History of Rajasthani Literature : H.L. Mahashwari
   Publisher. :Sahitya Akademi, New Delhi
4. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा स्त्रोत एवं प्रवृत्तियां : डॉ. किरण नाहटा
   प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
5. राजस्थानी साहित्य का आदिकाल : (सं.) डॉ. नारायणसिंह भाटी
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
6. राजस्थानी साहित्य मध्यकाल : (सं.) डॉ. नारायणसिंह भाटी
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
7. राजस्थानी भाषा – साहित्य : संस्कृति : डॉ. कल्याण सिंह शेखावत,
   प्रकाशक : राधा पब्लिकेशन, नयी दिल्ली

◈◈◈

DEC - COURSE CODE RAJ- 07-01 B

बी.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – पंचम (Semester - V Rajasthani)

विकल्प – 'ब'

राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति

Credit : 06

विशिष्ट अध्ययन

1. लोक साहित्य के संदर्भ में लोक का अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, लोक मानस का स्वरूप एवं विशेषताएं
2. लोक साहित्य का सामान्य परिचय
3. राजस्थानी लोक साहित्य का अध्ययन, वर्गीकरण का आधार एवं विभिन्न विधाएं
4. राजस्थानी लोककथा, लोकगीत, लोक नाट्य एवं लोक गाथा का विशिष्ट अध्ययन
5. राजस्थानी लोक देवी–देवता
6. राजस्थानी संस्कृति के तत्त्व एवं संस्कृति की विशेषताएं
7. राजस्थानी लोक जीवन में व्रत, त्यौहार, उत्सव, मेले, तीर्थ
8. राजस्थानी लोक देवी–देवता, लोक जीवन से जड़े विषयों पर निबंध लेखन का अभ्यास

इस सम्पूर्ण प्रश्नपत्र का सम्पूर्ण अध्ययन राजस्थानी लोक साहित्य उसकी विभिन्न विधाओं तथा लोक संस्कृति के अध्ययन पर आधारित है। अतः इस संदर्भ में जितने भी ग्रंथ राजस्थानी लोक साहित्य के परिचय, विधाओं के विशेष–विश्लेषण से जुड़े हुए हैं तथा जो ग्रंथ लोक संस्कृति एवं विभिन्न सांस्कृतिक परम्पराओं से जुडे हुए हैं वे ग्रंथ इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के आधार होंगे।

नोट :–इस प्रश्न पत्र हेतु किसी पाठ्यपुस्तक का निर्धारण नहीं किया गया है।

निबंध लेखन का अभ्यास भाषा–कौशल विकास के अन्तर्गत होगा।

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

भाग – 'अ'

इकाई :

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई : 1

प्रश्न सं.–11 'लोक : परिभाषा, तत्त्व, विशेषताएं, लोकमानस, लोकधर्म (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–12 लोकसंस्कृति : परिभाषा, विशेषताएं एवं परम्परा (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 'राजस्थानी लोक साहित्य की विशेषताएं, परम्परा (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–14 राजस्थानी लोक साहित्य की विभिन्न विधाएं (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 'राजस्थानी लोक कथा : वात साहित्य की विशेषताएं, विभिन्न प्रकार एवं स्वरूप (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–16 'राजस्थानी लोक नाट्य : स्वरूप, प्रकार विशेषताएं (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 राजस्थानी लोक गीतों की परंपरा विभिन्न लोक गीत, लोक गीतों में संस्कृति समाज (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–18 राजस्थानी लोकोक्ति साहित्य (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी लोक संस्कृति से संबंधित राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेखन (शब्द–सीमा : 300 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी लोक देवी देवता से संबंधित राजस्थानी भाषा में निबंध लेखन (शब्द–सीमा : 300 शब्द अधिकतम)

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धान्तिक विवेचन : डॉ. सोहनदान चारण
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. राजस्थानी लोक साहित्य : नानूराम संस्कर्ता
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
3. राजस्थानी लोक साहित्य : डॉ. नारायण सिंह भाटी
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
4. राजस्थानी साहित्य एवं संस्कृति : डॉ. नन्दलाल कल्ला
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
5. राजस्थानी लोक–नाट्य परंपरा और प्रवृत्तियां : डॉ. महेन्द्र
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

◈◈◈

DEC - COURSE CODE RAJ- 08-01 A

बी.ए. राजस्थानी
सैमेस्टर – षष्ठ (Semester - VI Rajasthani)

विकल्प – 'अ'
लोक एवं ऐतिहासिक राजस्थानी काव्य

Credit : 06

पाठ्यपुस्तके एवं विशिष्ट अध्ययन

1. प्राचीन राजस्थानी काव्य का अध्ययन
2. प्राचीन रचनाओं और रचनाकारों का अध्ययन
3. लोक एवं ऐतिहासिक राजस्थानी काव्यों का अध्ययन
4. भाषा कौशल विकास के संबंध में राजस्थानी काव्य–दोषों का अध्ययन

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यपुस्तके

1. ढोलां मारू रा दूहा : (सं.) डॉ. रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी (व्याख्या हेतु छंद सं. 82 तक)
2. गोरा बादिल चरित्र : (सं.) मुनि जिनविजय (व्याख्या हेतु छंद सं. 118 तक)

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

भाग – 'अ'

इकाई :

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई : 1

प्रश्न सं.–11 'ढोला मारू रा दूहा'(दो छंदों की सप्रसंग व्याख्या) निर्धारित छंद संख्या के आधार पर

प्रश्न सं.–12 'ढोला मारू रा दूहा'(दो छंदों की सप्रसंग व्याख्या) निर्धारित छंद संख्या के आधार पर

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 'गोरा बादिल चरित्र' में से (दो छंदों की सप्रसंग व्याख्या) निर्धारित छंद संख्या के आधार पर

प्रश्न सं.–14 'गोरा बादिल चरित्र' में से (दो छंदों की सप्रसंग व्याख्या) निर्धारित छंद संख्या के आधार पर

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 'ढोला मारू रा दूहा' आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–16 'ढोला मारू रा दूहा' आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 'गोरा बादिल चरित्र' आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–18 'गोरा बादिल चरित्र' आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 प्राचीन राजस्थानी काव्य परंपरा, विकास एवं परंपरा – संक्षिप्त परिचय (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी काव्य के प्रमुख काव्य–दोषों का परिचय उदाहरण सहित (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

पाठ्यपुस्तके

1. ढोलां मारू रा दूहा : (सं.) डॉ. रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. गोरा बादिल चरित्र : (सं.) मुनि जिनविजय
   प्रकाशक : राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. रघुनाथ रूपक : महताब चंद खारेड़, प्रकाशक : साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली

◈◈◈

DEC - COURSE CODE RAJ- 08-01 B

बी.ए. राजस्थानी
सैमेस्टर – षष्ठ (Semester - VI Rajasthani)

विकल्प – 'ब'
राजस्थानी रासो काव्य

पाठ्यपुस्तके एवं विशिष्ट अध्ययन Credit : 06

1. प्राचीन राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा
2. राजस्थानी रासो काव्य : परिचय एवं परम्परा
3. प्रमुख राजस्थानी रासो काव्यों का परिचय
4. भाषा कौशल के विकास के संबंध में राजस्थानी काव्य–दोषों का अध्ययन

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

पाठ्यपुस्तके

1. बीसल देव रास (संकलित अंश) प्रबंध पारिजात : (सं.) रावत सारस्वत

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

भाग – 'अ'

इकाई :

भाग 'अ' में 10 लघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं है, सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। (शब्द–सीमा 50 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न) 2 X 10 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग 'ब' में 10 प्रश्न होंगे। जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। प्रति प्रश्न शब्द सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। 16 X 5 = 80 अंक

इकाई : 1

प्रश्न सं.–11 'बीसलदेव रास' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–12 'बीसलदेव रास' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–13 'बीसलदेव रास' में से सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–14 'बीसलदेव रास' में से सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–15 'बीसलदेव रास' आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–16 'बीसलदेव रास' आलोचनात्मक प्रश्न (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–17 प्राचीन राजस्थानी काव्य परंपरा : परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, परिचय (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

प्रश्न सं.–18 प्राचीन राजस्थानी रचनाएं, रचनाकार : परिचय (शब्द–सीमा : 500 शब्द)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–19 राजस्थानी रासो काव्य परंपरा – प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

प्रश्न सं.–20 राजस्थानी काव्य के प्रमुख काव्य–दोषों का परिचय उदाहरण सहित (शब्द–सीमा : 500 शब्द अधिकतम)

पाठ्यपुस्तके

1. बीसल देव रास (संकलित अंश) प्रबंध पारिजात सं. रावत सारस्वत
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. प्राचीन काव्यों की रूप परंपरा : डॉ. अगरचंद नाहटा
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
3. रघुनाथ रूपक : (सं.) महताब चंद खारेड़
   प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

◈◈◈